

so ist wohl auch PHAVARĀDHJ. in Verz. d. B. H. 39, 13 st. नन्घायनि zu lesen.
लि m. weariness, fatigue; loss, destruction; end, term; equality, sameness; a bracelet WILSON nach ÇADDĀRTHAK.

लिखावन्ध Verz. d. B. H. No. 843 ohne Zweifel fehlerhaft.

लिकुच 1) m. = लकुच AK. 2, 4, 2, 41. DAÇAK. 180, 5. — 2) n. = चुक RĀGAN. im ÇKDR.

लिङ्गा f. = लिता ÇADDAR. im ÇKDR.

लिनी f. AK. 3, 6, 4, 10. Niss, das Ei einer Laus UĠĠVAL. zu UṆĀDIS. 3, 66. H. 1208. als Maass = 8 Trasareṇu M. 8, 133. JĀĠN. 1, 361 (Mohnkorn STENZLER). सप्त गोरजास्येकं लिनारजः । सप्त लिताः सर्षपः LALIT. ed. Calc. 170, 1. 2. लिन्त (so) = 8 वालाम् VARĀH. BRH. S. 38, 2. यूकालिन्तम् Läuse und Nisse UĠĠVAL. zu UṆĀDIS. 3, 47.

लिन्तिका f. dass. ÇADDAR. im ÇKDR. u. लिता.

लिख् (= älterem रिख्), लिखति (घनरविन्ध्यासे) DHĀTUP. 28, 72. लिखते, लिखेत्, लिखीत्, लिखिष्यति (HARIV. 9983), लिखितुम् (विलेखितुम् P. 3, 4, 13, Sch.), लिखित्वा (nur dieses zu belegen) und लेखित्वा P. 1, 2, 26. VOP. 26, 207. लिष्य WEBER, RĀMAT. UP. 308. fg. pass. लिष्यते, लेखि, लिखित. 1) ritzen, aufreissen, furchen, kratzen AV. 12, 3, 22. 20, 132, 8. यो मा लेखीः VS. 5, 43. TS. 6, 3, 3, 3. इन्द्रो वृत्राय वज्रमुदपच्छत् स दिवमलिखत् सौ ऽर्यम्णाः पन्था अभवत् TBR. 1, 7, 6, 6. नवैर्लिखतो दश-नैर्दशतः R. 5, 61, 20. ततो बाली विषाणामैर्लिखितो दनुमुनुना 4, 9, 76. मार्गारा भृशमवनिं नवैर्लिखतः VARĀH. BRH. S. 28, 5. गौ खुरैः प्रैस्तथा — लिखतः प्रयुस्तदा (ह्याः) MBH. 12, 1918. पद्भ्यां मर्कौ लिखति R. 6, 2, 17. लिखन्नास्ते भूमिम् Spr. 2669. Bhāg. P. 3, 23, 50. 10, 29, 29. SĀH. D. 60, 2. मूर्ध्ना दिवमिवालिखत् BHATT. 13, 22. mit der Lanzette ritzen Suçr. 2, 7, 10. तुण्डेन लिखेद्यद् स्वपिच्छानि picken VARĀH. BRH. S. 93, 31. काकश्च तस्योपरि चञ्च किमपि लिखतु Hit. 43, 15. — 2) durch Ritzen u. s. w. Etwas hervorbringen, eine Linie ziehen, einritzen, einkratzen, reissen, zeichnen, schreiben, niederschreiben, malen: यत्समीमत्तं कङ्कतस्ते लिलेखे TBR. 2, 7, 17, 3. ÇAT. BR. 2, 6, 2, 12. 7, 2, 2, 1. KĀTJ. ÇR. 5, 3, 25. 4, 9. बाह्याः प्रापणान्ते लिखति macht einen Strich 17, 4, 10. लेखाम् ÇĀKH. GRH. 1, 7. KAUC. 76. अपसव्यलिखिता रेखा VARĀH. BRH. S. 53, 104. वर्त्म — लिखेच्छस्त्रेण पत्नैर्वा Suçr. 2, 332, 4. 11. वर्त्म दुर्लिखितम् 16. सान्निषाश्च स्वहस्तेन पितृनामपूर्वकम् । अत्राहममुकः साती लिखियुरिति ममाः ॥ schreiben JĀĠN. 2, 87. fg. MBH. 1, 78. fg. देवहृतस्य वचनं लिखित्वा niederschreiben HARIV. 5996. MRĪKĪ. 140, 23. वर्षैर्मी कल्पस्ततोऽशुकेषु — वञ्चरितं लिखति ÇĀK. 164. इत्येतदमात्पेन लिखितम् 90, 20. सौभाग्यान्तरपङ्केव लिखिता पुष्पायुधेन स्वयम् Spr. 472. 2991 यद्वा यल्लिष्यते किञ्चित्सत्यं संपद्यते हि तत् KATHĀS. 3, 50. (कथाम्) तामात्मशोणितैः — लिलेख 8, 3. राज्ञो लेखं स्वहस्तलिखितम् 43, 263. 269. RĀĠA-TAR. 2, 6. 3, 251. 522 (zu schreiben ध्यात्वालि°). 4, 389. 5, 396. fgg. NAISH. 22, 54. DHĪRTAS. 90, 17. Verz. d. Oxf. H. 283, a, 18. MĀRK. P. 37, 22. 97, 35. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 308, ÇI. 34. Hit. Pr. 8. ÇUK. in LA. (III) 34, 4. तस्मिंश्च (पुस्तके) लिखितमस्ति steht geschrieben PAÑĀT. 127, 9. SARVADARÇANAS. 73, 13. तल्लिष्यतामद्यतनो दिवसः werde aufgeschrieben PAÑĀT. 5, 6. अहस्सु गण्यमानेषु क्षीयमाणे तथायुषि । जीविते लिष्यमाने च किमुत्थाय न धावसि ॥ da das Leben verzeichnet ist so v. a. da die Lebensdauer genau bestimmt ist MBH. 12, 12052. मूषकं हस्ते गृहीत्वा संपुटे

च तम् । लिखित्वास्य so v. a. ihm gut geschrieben habend KATHĀS. 6, 89. लेखा हि काललिखिता सर्वथा डुरतिक्रमा HARIV. 11109. यत्पूर्वं विधिना ललाटलिखितं तन्मार्जितुं कः तमः Spr. 1688. 2386. 3227. 4147. 5392. KATHĀS. 40, 31. RĀĠA-TAR. 2, 89. PAÑĀKAR. 1, 3, 13. निजपुत्रपुत्रहृत् लिखितेनात्मनि पुरुषत्रयेण so v. a. in's Herz eingegraben Bhāg. P. 5, 7, 7. सा लिखितेवास्ति मे हृदि SĀH. D. 69, 14. लिखितपाठकं Geschriebenes hersagend d. i. ablesend ÇIKSHĀ 32 in Ind. St. 4, 270. गुरुमुखदेवाद्येतव्यं न तु लिखितपाठः कर्तव्यः Verz. d. Oxf. H. 266, b, 30. fg. SARVADARÇANAS. 123, 13. 124, 18. उपरिलिखित-ग्रामं oben geschrieben, — erwähnt Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 339, 7. दारोपात्ते लिखितवपुषौ शङ्खपद्मौ gezeichnet MEGH. 78. GOLĀDHJ. SPHUTAG. 32. Spr. 1797. पाणौ खड्गरेखां लिलेख 2697. पत्ने सीमां लिखेत् KULL. zu M. 8, 255. यो मां भक्त्या लिखेत्कुञ्चो malt MBH. 2, 731. 733. मत्सादृश्यं लिखती MEGH. 83. ÇĀK. 86, 17. Gīt. 7, 22. अलिखत्स मरुदेविम् KATHĀS. 5, 29. 31, 18. fg. 44, 52. 51, 124. 126. 53, 75. 77. WEBER, KR̥SHNĀĠ. 230. 268. 273. 283. fg. 289. fg. 299. 307. RĀMAT. UP. 307. 309. fg. SĀH. D. 56, 14. DHĪRTAS. 73, 13. लिखितानलनिश्चलं KUMĀRAS. 6, 48. लिखितेव wie gemalt so v. a. unbeweglich KATHĀS. 17, 27. 63, 38. चित्रलिखितं इव तस्यै Z. d. d. m. G. 14, 573, 24. Hit. 42, 9. लिखितं n. (लिखिता f. H. 484, Sch.) Schrift, Schriftstück, ein geschriebenes Document AK. 2, 8, 2, 16. नखलमतिनिपुणो ऽपि पुरुषो नियतिलिखिते लेखामतिक्रमितुम् DAÇAK. 83, 7. 8. JĀĠN. 2, 20. 22. °स्थितये RĀĠA-TAR. 3, 385. 4, 138. °हृषक 6, 29. अन्धोऽन्यलिखितं हस्ते गृहीत्वा KATHĀS. 24, 174. विद्यते चावयो-रत्र स्वहस्तलिखितं मिथः 189. — 3) glätten, poliren MĀRK. P. 106, 50. 52. 60. 64. 107, 1. 9. — 4) coire MBH. 13, 2456 nach NILAK., was schwerlich richtig ist.

— CAUS. 1) लेखयति a) einritzen —, reissen —, schreiben —, aufschreiben lassen: लेखे ÇĀKH. ÇR. 17, 10, 7. बलाञ्चापि यल्लेखितम् was man hat schreiben lassen M. 8, 168. JĀĠN. 2, 7. यो हृद्विशं लेखयति HARIV. 6. शासनम् KATHĀS. 124, 62. RĀĠA-TAR. 3, 190. WEBER, KR̥SHNĀĠ. 283. लेखयो चक्रतुर्द्रव्यम् liessen verzeichnen, aufschreiben R. GORR. 2, 2, 6. malen lassen KATHĀS. 53, 70. — b) = simpl. ritzen Suçr. 2, 334, 4. schreiben JĀĠN. 2, 86. चित्रमप्यथ लेखिताः (प्रतिमाः) gemalt WEBER, KR̥SHNĀĠ. 283.

— 2) लिखाययति schreiben lassen Verz. d. B. H. No. 53, Z. 4.

— desid. लिलिषिषति und लिलेखिषति P. 1, 2, 26. VOP. 19, 16.

— अय abschaben: मलम् AV. 14, 2, 68.

— अभि einritzen, reissen, zeichnen, schreiben, malen PAÑĀKAR. 3, 13. 20. VARĀH. BRH. S. 48, 29. धात्रागिलिखितान्याहुः सर्वभूतानि कर्मणा MBH. 11, 174. JĀĠN. 2, 93. MRĪKĪ. 140, 18. VIKR. 23, 17. KATHĀS. 17, 124. 42, 90. 53, 37. 101, 121. VĀSAVAD. 239, 2. DHĪRTAS. 91, 5. अभिलिखितं gemalt HARIV. 9991. UTTARAR. 6, 9 (9, 13). — CAUS. verzeichnen —, schreiben lassen JĀĠN. 1, 318. malen lassen KATHĀS. 51, 127. 53, 76. अभिलिखितं n. ein schriftliches Document JĀĠN. 2, 149.

— अय anritzen, wund machen Suçr. 1, 33, 18. 2, 63, 16. क्षारिण 336, 7. — Vgl. अयलेख fg.

— आ 1) anritzen, mit einem Riss bezeichnen ÇAT. BR. 7, 4, 4, 3. 8, 7, 2, 17. अस्त्रालिखितं 10, 2, 4, 8. LĀTJ. 10, 13, 17. KAUC. 137. ritzen, kratzen SĀH. D. 103, 22. प्रज्ञान्यामालिखन्दीद्वारं दिग्देो यथा R. 4, 9, 62. अलिखत् इवाकाशम् so v. a. gleichsam an das Himmelszelt streifend MBH.